

प्रेषक,

विनीता कुमार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
जनजाति कल्याण, उत्तरांचल,  
देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग-01.

देहरादून, 10 मई 2007

विषय : नीतिमाणा घाटी कल्याण समिति, देहरादून को सामुदायिक भवन निर्माण हेतु धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा के क्रम में नीतिमाणा घाटी कल्याण समिति, देहरादून को सामुदायिक भवन के निर्माण हेतु कार्यदायी संस्था गढ़वाल मण्डल विकास निगम लिमिटेड, देहरादून द्वारा उपलब्ध कराए गए आगणन के तकनीकी परीक्षणोपरान्त रुपये 88,00,000/- की औचित्यपूर्ण धनराशि पर वित्तीय एवं प्रशासकीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में रुपये 25,00,000/- (रुपये पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबद्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

1. उक्त धनराशि आहरित कर नीतिमाणा घाटी कल्याण समिति, 201, मॉडल कालोनी, आराधर, देहरादून को सूचित करते हुए सीधे कार्यदायी संस्था गढ़वाल मण्डल विकास निगम लिमिटेड, देहरादून को उपलब्ध कराई जाएगी।
2. निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नीतिमाणा घाटी कल्याण समिति, देहरादून, जो कि उक्त प्रस्तावित जनजाति सामुदायिक केन्द्र का संचालन करेगी, से एक अनुबन्ध किया जाना होगा कि संस्था की भूमि पर बनाया जाने वाला उक्त जनजाति सामुदायिक केन्द्र का संचालन जनजाति समुदाय के हित में उन्हीं उद्देश्यों के लिए किया जाएगा, जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसका निर्माण कराया जा रहा है तथा निर्माण के पश्चात् जनजाति सामुदायिक केन्द्र के अनुरक्षण अथवा उसमें किसी भी प्रकार का आवर्तक व्यय व रख-रखाव का व्यय संस्था द्वारा स्वयं अपने वित्तीय स्रोतों से वहन किया किया जाएगा तथा इसके लिए किसी भी प्रकार का शासकीय अनुदान देय नहीं होगा।
3. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें 'शिड्यूल ऑफ रेट' में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

18. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय की "अनुदान संख्या-31" के "आयोजनागत पक्ष" के लेखाशीर्षक "4225-अनुसूचित जातियों/जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण पर पूंजीगत परिव्यय-02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण-800-अन्य व्यय-04-नीतिमाणा घाटी समिति के सामुदायिक भवन का निर्माण-00" के मानक मद "24-पृष्ठ निर्माण कार्य" के नामे डाला जाएगा।

19. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-430/XXVII-3/2006, दिनांक 07 दिसम्बर 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(विनीता कुमार)  
प्रमुख सचिव।

पुष्तांकन संख्या : 111/9 (1)/XVII(1)-01/2006-19(06)/2006, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-माननीय मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
3. निजी सचिव-अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
4. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
5. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तरांचल।
6. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तरांचल।
7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तरांचल, देहरादून।
- ✓ 8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तरांचल।
9. जिला समाज कल्याण अधिकारी, देहरादून, उत्तरांचल।
10. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तरांचल शासन।
11. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 13. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. आदेश पंजीका।

आज्ञा से,

(सुबर्द्धन)  
अपर सचिव।



4. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाए।
5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितने कि स्वीकृत मानक हैं, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग और "MORTH" द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यो को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
7. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूमि-मालिकों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
8. आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि आंकलित/स्वीकृत की गई है, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाए। एक मद की धनराशि दूसरी मदों में कदापि व्यय न की जाए।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में परीक्षण करा लिया जाए तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
10. उक्त कार्य इसी धनराशि से पूर्ण किए जाएंगे। विलम्ब के कारण यदि आगणन का पुनरीक्षण किया जाता है तो उसे अपने निजी स्रोतों से वहन करेंगे।
11. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
12. स्वीकृत धनराशि का व्यय बजट मैन्युअल एवं वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं भित्तव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
13. कार्य करते समय विविध विषयक नियमों एवं मानकों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाए।
14. एकमुश्त प्राविधानों को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
15. कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाए तथा कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
16. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुमोदित परिव्यय की सीमा तक ही किया जाए।
17. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।